न्यूज डायरी

अंतरिक्ष की सैर के बाद अब चांद के पास होटल बनाना चाहते हैं रिचर्ड ब्रैनसन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अंतरिक्ष की यात्रा कर इतिहास रचने वाले अरबपति बिजनसमैन रिचर्ड ब्रैनसन 70 साल की अवस्थ्था में एक नया सपना देख रहे हैं। रिचर्ड ब्रैनसन अब चांद के पास एक होटल बनाने का इरादा रखते हैं। अंतरिक्ष में पर्यटन को बढ़ावा देने में महारत हासिल करने वाले अरबपति अंतरिक्षयात्री ब्रैनसन ने कहा कि आने वाले समय में उनके ग्राहकों को स्पेस में सफर के दौरान कई सहूलियतों का फायदा मिलने जा रहा है।
रिचर्ड ब्रैनसन ने वादा किया कि आने वाले समय में स्पेस में जाने के लिए उनकी कंपनी वर्जिन गैलक्टिक की ओर से लिया जाने वाला टिकट का खर्चा भी काफी कम हो जाएगा। अभी जिस तरह की यात्रा रिचर्ड ब्रैनसन गए थे, उसके एक टिकट की कीमत करीब 250,000 डॉलर है। यही नहीं वर्जिन का इरादा स्पेस की सीमा तक ही अब सीमित नहीं है। वह अब ऐसा अंतरिक्ष यान बनाना चाहती है जो अधिक ऊंचाई और लंबे समय तक उड़ान भर सके।

अल्लाह हू अकबर कह 22 निहत्थे अफगान कमांडो को भूना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान में जारी हिंसा के बीच तालिबान की क्रूरता का एक बहुत ही खौफनाक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में नजर आ रहा है कि गोलियां खत्म होने के बाद अफगान कमांडो ने तालिबान के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद आतंकियों ने अल्लाह हू अकबर का नारा लगाते हुए उन पर गोलियों की बारिश कर दी। अफगान सेना के सभी निहत्थे 22 कमांडो इस निर्मम हत्या के शिकार हो गए। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक यह हत्याकांड अफगानिस्तान के फरयाब प्रांत के दौलताबाद इलाके में 16 जून को अंजाम दिया गया। तालिबान की बढ़त को देखते हुए सरकार ने अमेरिका के प्रशिक्षित कमांडो की टीम को भेजा था ताकि इलाके पर फिर से कब्जा किया जा सके। इसमें एक रिटायर जनरल का बेटा भी था।

दक्षिण अफ्रीका में युद्ध जैसे हालात, जैकब जुमा समर्थकों की भारी हिंसा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा को जेल भेजने के बाद भीषण हिंसा, लूटपाट और आगजनी का दौर शुरू हो गया है। हालत यह है कि सेना की तैनाती के बाद भी संघर्ष और आगजनी की घटनाएं जारी हैं। जुमा समर्थकों ने कई शॉपिंग मॉल को आग के हवाले कर दिया। पिछले 5 दिनों से जारी इस हिंसा में अब तक 72 लोग मारे गए हैं और सैकड़ों लोगों को अरेस्ट किया गया है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक दक्षिण अफ्रीका में यह पिछले कुछ दशकों में सबसे भीषण हिंसा है। पुलिस ने एक बयान जारी करके कहा कि प्रदर्शन के शुरू होने के बाद अब तक 72 लोग मारे गए हैं। पुलिस ने कहा कि ज्यादातर लोग दुकानों में लूटपाट के दौरान भगदड़ मचने से मारे गए।

अंतरिक्ष तक मार करने वाले नए हथियार बना रहा चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने चेतावनी दी है कि चीन अंतरिक्ष में मार करने वाले हथियार को तेजी से विकसित कर रहा है। पेंटागन ने यह भी कहा है कि चीन उन हथियारों पर महत्वपूर्ण काम कर रहा है, जो उसके और अमेरिका के बीच अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में असमानता को कम कर सकते हैं। चीन के पास पहले से ही एंटी सैटेलाइट वेपन मौजूद है। माना जा रहा है कि चीन का यह हथियार पृथ्वी की निचली कक्षा में ही सैटेलाइट्स को निशाना बना सकता है। लेकिन, अब जो नया हथियार बनाया जा रहा है वह और भी ऊंचाई तक हमला करने में सक्षम होगा। रिपोर्ट के अनुसार, चीन उन हथियारों में काफी निवेश कर रहा है जो उपग्रहों को जाम और नष्ट करने की क्षमता रखते हैं। इस तरह के हथियार अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को तत्काल खतरा पैदा कर सकते हैं। ट्रंप प्रशासन के दौरान यूएस स्पेस फोर्स की गठन के बाद चीन आक्रामक तरीके से अंतरिक्ष में मार करने वाले हथियारों को विकसित कर रहा है।

पाकिस्तान में चीनी इंजीनियरों से भरी बस पर भीषण बम हमला

हमला

मारे गए लोगों में 6 चीनी नागरिक, पनबिजली परियोजना जा रही बस पर 36 चीनी सवार थे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेशावर। उत्तरी पाकिस्तान में चीन के इंजीनियर्स को लेकर जा रही एक बस में हुए धमाके में 13 लोगों की मौत हो गई है। इसमें 9 चीनी नागरिक है। बस में ये धमाका चीनी नागरिकों को निशाना बनाने के लिए ही किया गया था। रायटर ने विभिन्न सूत्रों के हवाले से बताया है कि चीन के इंजीनियर्स को लेकर जा रही बस में जबरदस्त धमाका सुनाई दिया था। ये धमाका ऊपरी कोहिस्तान में हुआ था। ये घटना बुधवार सुबह की बताई गई है।

हजारा क्षेत्र के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी का कहना है कि इसमें 13 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि ये बस करीब 30 चीन के इंजीनियर्स को लेकर ऊपरी कोहिस्तान के दासू बांध की साइट पर जा रही थी। इस हादसे में चीन के इंजीनियर के अलावा दो संसदीय सुरक्षाकर्मियों की भी मौत हुई है। इस घटना पर चीन ने अफसोस जाहिर करते हुए पाकिस्तान से अपने नागरिकों की सुरक्षा को और अधिक कड़ा करने को कहा है। चीन ने पाकिसतान से ये भी कहा है कि इस हमले की जांच की जानी चाहिए और दोषियों को कड़ी सजा दी जानी चाहिए। चीन की तरफ से इसमें मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजिआन ने कहा कि इस हमले से चीन सदमे हैं और घटना की कड़ी निंदा करता है। चीनी प्रवक्ता ने इमरान सरकार से मांग की कि इस पूरे मामले की कड़ाई से जांच की जाए और हमले के दोषियों को अरेस्ट किया जाए और ईमानदारी के साथ चीन के नागरिकों और प्रॉजेक्ट्स की रक्षा की जाए।

पाकिस्तान ने पहले इस घटना को एक हादसा बताकर छिपाने का प्रयास किया लेकिन चीनी दूतावास ने इस बात की पुष्टि की है कि यह बम हमला था। इसके बाद इमरान खान के संसदीय सलाहकार बाबर अवान ने इस बात की पुष्टि की कि चीनी नागरिकों पर बम से हमला किया गया था।

आपको बता दें कि दासू हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट चीन–पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर का ही एक हिस्सा है। बीजिंग द्वारा बनाए जा रहे बेल्ट रोड इनिशिएटिव पर चीन करीब 65 अरब डॉलर का खर्च कर रहा है। ये प्रोजेक्ट चीन को सीधे ग्वादर पोर्ट से जोड़ता है, जो पाकिस्तान के दक्षिण में स्थित है।

आपको बता दें कि पाकिस्तान में चीन द्वारा बनाए जा रहे विभिन्न प्रोजेक्ट के सिलसिले में काफी संख्या में चीनी नागरिक पाकिस्तान में रह रहे हैं। हालांकि, कुछ जगहों पर चीन के शुरू किए विभिन्न प्रोजेक्ट्स को लेकर लोगों में रोष है। गौरतलब है कि चीनी नागरिकों को निशाना बनाकर पहले भी कई बार हमला किया गया है। अगस्त 2018 में भी क्वेटा में चीनी नागरिकों पर इसी तरह का हमला किया गया था। इसमें छह लोग मारे गए थे, जिनमें से 3 चीन के इंजीनियर थे।

डेल्टा वेरिएंट का कहर, एशिया में कोरोना का नया गढ़ बना इंडोनेशिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जकार्ता। भारत में पहली बार मिला कोरोना वायरस का डेल्टा वैरिएंट एक अन्य दक्षिण एशियाई इंडोनेशिया में तबाही मचा रहा है। डेल्टा वेरिएंट के कहर का आलम यह है कि भारत को पीछे छोड़ते हुए इंडोनेशिया एशिया में कोरोना का नया गढ़ बन गया है। इंडोनेशिया में लगातार दो दिनों से कोरोना वायरस संक्रमण के आंकड़े 40 हजार को पार कर रहे हैं।

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि डेल्टा वेरिएंट अब जावा की घनी की आबादी से निकलकर अन्य इलाकों में बहुत तेजी से फैल रहा है। जापानी अखबार निक्केई एशिया के मुताबिक इंडोनेशिया में मंगलवार को कोरोना वायरस के 47,899 नए मामले सामने आए। वहीं सोमवार को 40,427 लोग कोरोना से संक्रमित हुए थे। वहीं भारत में मंगलवार को कोरोना संक्रमण के कुल 31,443 नए मामले सामने आए। यह पिछले 118 दिनों में सबसे कम है। इंडोनेशिया के स्वास्थ्य मंत्री बूदी सादिकिन ने कहा कि देशभर में अभी भी कई अस्पतालों में बेड खाली हैं लेकिन डेल्टा वेरिएंट के प्रकोप की वजह से कई प्रांतों में कोरोना संक्रमण के मामले बहुत ज्यादा हैं। भारत में अब तक 4 लाख 10 हजार लोग इस महामारी से जान गंवा चुके हैं।

प्रशांत महासागर में मिला दुर्लभ पारदर्शी ऑक्टोपस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) फोनिक्स द्वीप। समुद्र का अथाह जल अपने अंदर कई रहस्य समेटे हुए है। एक ऐसे ही रहस्य से हाल ही में श्मिट समुद्र संस्थान के वैज्ञानिकों को दो–चार होना पड़ा। एक अभियान के दौरान वैज्ञानिकों को प्रशांत महासागर में फोनिक्स द्वीप के पास एक शीशे की तरह से पारदर्शी ऑक्टोपस दिखाई दिया। इस ऑक्टोपस का असली नाम Vitreledonella richardi है और इसका कुछ ही हिस्सा दिखाई देता है। वैज्ञानिकों ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया जिसे अब सोशल मीडिया में काफी पसंद किया जा रहा है। इस ऑक्टोपस की प्रकाश संबंध नसें, आंखें और पचाने वाले तंत्र को ही केवल देखा जा सकता है।

कोरोना होने के बाद भी डेल्टा वेरिएंट से बचने के लिए वैक्सीन जरूरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

टीका लगावाने वालों के सुरक्षित होने की संभावना अधिक

कोलंबिया (अमेरिका)। इंसानी श्वसन तंत्र में होने वाले संक्रमण पर प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का अध्ययन करने वाले व्यक्ति के रूप में मुझे कोरोना वायरस के उभरते वायरस की खबरों से चिंता होती है। मैं इस बात को लेकर फिक्रमंद हूं कि क्या टीकाकरण या पिछला संक्रमण सार्स–कोव–2 के विभिन्न स्वरूपों के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करेगा? विशेष रूप से नया, अत्यधिक संक्रमण फैलाने वाला डेल्टा संस्करण, जो तेजी से कम से कम 70 देशों में फैल गया है। एक व्यक्ति अपने शरीर में संक्रमण से लड़ने की प्रतिरक्षा प्रणाली दो तरह से विकसित कर सकता है। पहला वायरस से संक्रमित होने के बाद और दूसरा टीका लगवाने के बाद। हालांकि, प्रतिरक्षा सुरक्षा हमेशा समान नहीं होती है। सार्स–कोव–2 के लिए वैक्सीन प्रतिरक्षा और प्राकृतिक प्रतिरक्षा ताकत या सुरक्षा के समय की अवधि के संदर्भ में भिन्न हो सकती है। इसके अतिरिक्त, सभी को संक्रमण से समान स्तर की प्रतिरक्षा नहीं मिलेगी, जबकि टीकों के प्रति प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया बहुत सुसंगत है।

नए रूपों से दो चार होने पर टीकाकरण और संक्रमण के बीच प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में अंतर और भी अधिक प्रतीत होता है। जुलाई की शुरुआत में, दो नए अध्ययन प्रकाशित किए गए जो दिखाते हैं कि कोविड–19 टीके, वायरस के पुराने उपभेदों की तुलना में थोड़े कम प्रभावी हैं, फिर भी नए वेरिएंट के खिलाफ उत्कृष्ट प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं। शोधकर्ताओं ने देखा कि एंटीबॉडी कोरोना वायरस के नए रूपों से कैसे लड़ती हैं और पाया कि जो लोग पहले कोरोना वायरस से संक्रमित थे, वे नए उपभेदों के प्रति अतिसंवेदनशील हो सकते हैं, जबकि जिन लोगों को टीका लगाया गया था, उनके सुरक्षित होने की संभावना अधिक थी। एंटीबॉडी प्रोटीन होते हैं जो वायरस से जुड़ सकते हैं और संक्रमण को रोक सकते हैं।

राष्ट्रपति बाइडन ने दो प्रमुख भारतीय अमेरिकी डॉक्टरों को दी अहम भूमिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक प्रख्यात भारतीय अमेरिकी चिकित्सक और एक सर्जन को अपने प्रशासन ने अहम भूमिकाओं के लिए नियुक्त किया है। वेस्ट वर्जीनिया के पूर्व स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. राहुल गुप्ता को नेशनल ड्रग कंट्रोल पॉलिसी के कार्यालय के अगले निदेशक के पद पर नियुक्त किया है। वहीं, सर्जन और प्रसिद्ध लेखक अतुल गवांडे को अमेरिकी एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के ब्यूरो आफ हेल्थ के एसिस्टेंट एडमिनिस्ट्रेटर के पद पर नियुक्त किया है। गुप्ता पिछले 25 सालों से प्राथमिक इलाज कर रहे हैं। वह वेस्ट वर्जीनिया के दो गवर्नरों के अधीन काम कर चुके हैं और उन्हें स्वास्थ्य कमिश्नर नियुक्त किया गया है। बतौर अमेरिका के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी उन्होंने ओपियाड संकट का प्रभावशाली इलाज किया है। ओपियाड मारफीन जैसे तत्व का समूह है, जो तंत्रिकातंत्र से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में काम आता है।